

214015

50903

50904

50905

50 903 - (विश्वेश्वरी स्तोत्र प्रदीपिका)

50 904 - (पञ्च स्तोत्र) -

(लघु स्तोत्र टीका संग्रह)

50 905 - (आनन्द बहिनी)

50905

॥ ॐ पद्मभारतकुपे मारुतयति श्रीभद्रः ॥

मिहिम्नः ॥ ॥ ॥ ददिकुवन्कु मप्रस

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ लंकलकपरिपूड

ਤਗਯੰ ਤੁੰਗੁਤੁਰੰ ਪੁਰੰ ਪਤਤਮਾ ॥ ਅਰੰ

महामा। महाराज वरुणदेवमाहात्म्यम्
महामा। महाराज वरुणदेवमाहात्म्यम्

[illegible]

ਯਾਤਰਾ ਤਤੁ ਗਾਧੁ ~ ਦੁ ਮਿਥੁ ਮਿਥੁ ਦੁ ਤੁ ਤੁ

वभा नग॥ मदि॥ अथाष्टइ दिक्भि। इप्रगकडा जिह्वा भा नउ इ॥
पठञ्च कलाणिकरै उरीट उ विवरदिगपिय॥ म॥ अउ॥ अउ॥
अम॥ सुक्रवहगतीह उ रासउ सा सुउ भउ॥ सुगुदुप॥
कूपा वउउट्टे॥ म॥ अउ॥ पिह्वा यम कलिके॥ उ॥ अउ॥
पु॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥
अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥
अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥
अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥
अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥
अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥ अउ॥

[illegible]

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ विष्णुसहस्रनामः ॥

ॐ यमोदकमयं यो। ग। (६) पु। रा दति। वटेर विरम।
केप सिद्ध। विराडिमाष्टराद्यारिमव। भा। वट्टपमम। भाट्ट उडरा दि। उ। उ। ॥

शुद्धादमकलरयाभ। न। क। मि। ति॥ उ। उ। य। ल। रा। भ। क। ल। दि। भ। धं। र।
व। रि॥ उ। ई। म। से। क। स। वि। मे। म॥ उ। वे। व। व। ह। भा। ल। सु। य। ता। य। मे। स। वि। मे।
धं। र। प्र। य। रा॥ उ। व। र। म। क। र। म॥ उ। म। उ। प्र। य। रा॥ व। द्वा। व। म। व। द्वा।
गो। म्। उ। ती। म॥ उ। म। दि। मी। उ। उ। लं। कं॥ श्री। भ। द्वा। ग। व। म॥ उ। उ। र। प। म॥
मि। म॥ क॥ मि। उ। प्र। ल। य। व। र। प्र। ली। रं। म॥ मि। रं। म॥ क॥ प्र। पु। म॥ उ। म॥ क॥
गो। रा। रि। डे। म॥ य। लं॥ म॥ क॥ म॥ प। व। क॥ वि। उ। प्र। य। म॥ य। म॥ क॥
उ। म॥ म॥ ड। य। म॥ क॥ उ। म॥ म॥ उ। वि। उ। रि। य। प्र। लं। यें। रि। म॥ उ। म॥
वि। म॥ म॥ क॥ उ। म॥ रा। द। म॥ मि। र। म॥ उ। मि। यें। यें। म॥ उ। वि। डं॥ ॥

... वीरुगवर... गीत... विजय... गतिमा...
... क... गतिम... वि... योग... भा...
... ग... कया... प... मे... ॥

१५ उद्गमं भूमिं हिंदी शृष्टिं विवृतं ॥ प्रयत्नं कं भुवने
गभुतेभ्यः यमिनि ॥ उ... यं रत्नं लभितुं कुरु ॥ विदुः कुरु प्र...
मृगा... मृद... विर... म... क... प... वि... म... क... उ...
विठ्ठी... प... ॥ य... क... ॥ मृद... म...
व... म... ॥ उ... क... ॥ उ... म...
... ॥ ... क... ॥ य...
... म... ॥ ... क... ॥ ...
... म... ॥ ... क... ॥ ...

नाम प्रभयामि तु गङ्गा विस्मिन्नेन प्रवाया द्रुगति ॥ येन यमि व

विस्मिन्नेन प्रवाया द्रुगति ॥ येन यमि व

विस्मिन्नेन प्रवाया द्रुगति ॥ येन यमि व

विस्मिन्नेन प्रवाया द्रुगति ॥ येन यमि व

विस्मिन्नेन प्रवाया द्रुगति ॥ येन यमि व

विस्मिन्नेन प्रवाया द्रुगति ॥ येन यमि व

विस्मिन्नेन प्रवाया द्रुगति ॥ येन यमि व

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

वा. क. प. ल. स. ट. ह. पुं. म. न. इ. उ. तु. ति. ॥ म. ग. वि. न. र. व. तु. न. उ. तु. तु. उ. इ.
॥ ति. ति. ॥ भा. न. उ. प्र. रि. त. म्. च. सु. इ. प. ति. म. न. म्. म्. ॥ मा. प. न. डि. प.
क. ल. न. म्. ल. क. म्. व. र. र. ॥ ना. को. न. म्. व. व. प्र. न. च. ल. न. म्. ट. म. म. ॥
प. न. न. म. म. ल. प्र. ज. न. क. य. सु. उ. र. न. ॥ उ. भा. म्. म्. उ. य. मि. व. य. व. म्.
सु. व. ति. ॥ वा. प्र. न. म्. ॥ ना. की. न. म्. ल. च. डि. ति. व. र. म्. ॥ उ. न. म्. प. न. ॥
म. न. म्. प्र. ल. म. न. डि. ति. ॥ ना. क. गी. ट. डि. ति. डि. म. प्र. म्. ॥ न. तु. न.
म. ल. व. म्. म्. उ. य. म्. म. डि. ति. म. म. म्. ॥ डि. ति. ॥ ए. न. प्र. म्. व. द. इ.
क. प्र. न. म. म. न. क. य. ॥ ना. ल. प. म्. म्. म. र. सु. उ. म. र. ह. न. प. व. म्. ॥

वस्तु १ मुनिवपुष्यपदः क्षमया सुनिवपुष्यपदः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पापयन्त्रपापं देवमगादिगुं नमः ॥ प्रकमयन्त्र
नमः ॥ अतः नमः भगवते ॥ गायत्र्यं दध्म चैव दद्यात् ॥ यः ॥ मः ॥
॥ नमः ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥
॥ नमः ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥
॥ नमः ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥
॥ नमः ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥
॥ नमः ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥
॥ नमः ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥
॥ नमः ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥
॥ नमः ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥ अतः नमः भगवते ॥

॥ लभ्यः ॥ मरुदं मे ए प ह व द तं वे मे दं मं कवे ॥ न म च ह दु लं व उ
व द तं मं म उ म व उ ॥ पू द म म रू री र्मे मं कवे दि व म च कि वि ॥ म ह उ उ
॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥
॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥
॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥
॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥
॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥
॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥
॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥
॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥ उ म म रू री र्मे मं कवे ॥

मत्वा त्रिप्रादिष्टिणि एव य इविमेषः ॥ अद्वैत इविठगायभेवं उक्तां
उभय ॥ अष्टाश्रयं भाभं अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः
अष्टाश्रयं विणीयता ॥ व. पु. प. प. सविमेषः ॥ भाभं अष्टाश्रयं
व. ग. अ. योवकलठवता ॥ इमं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं सविमेषः ॥
अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥
अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥
अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥
अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥
अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥ अष्टाश्रयं कषयाभिः ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

देगइधववस्रवरसु॥उएठिपैस्रममठिपैदभ्रउविणीयउ॥३

विष्णुमहं प्रसन्नं कुरुते नरं कवेः ॥ ८ ॥ मेव कवेः मेविष्णुमे

॥ भूत उड्डि मिमरु अदपग विठगादि विभुरकलवलि पिंड

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

इति पञ्चमः सर्गः ॥ अथ भगवत्पुत्रस्य दृष्टव्यं ॥ अथ भगवत्पुत्रस्य दृष्टव्यं ॥ अथ भगवत्पुत्रस्य दृष्टव्यं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

प्रोउपयइवैपतिप्रुउ॥ उदएअविनप्रिगीहइदउभाद॥ मिनासिउउ
वचउभकगमिषुगतिउम॥ उकुलेमंदरहीदंलागहभिंस्रगम
दंभंगमिठिगवष्टगहुंऊकरयेउउभा॥ वीदावेच्चाएयकरंगमभा
गहुंऊनकणउपयऊदीउंपाउउभा॥ कहुलुमभपहमचंवहुंउ
उयुन॥ कहुलुमरिउपरिमयऊनउमिठिवीदभा॥ उभमरहुमक
गहुंनदभएपागिकभा॥ परलैकमिठियउमरउदलैठयमहु
मि॥ परउययानेमिषुएउभउगय॥ रिउं॥ सुणययककए
मि॥ हुउंमहि॥ यनप्रुमोउ॥ मदंभेठिउमंयऊमि॥ हुउं

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Am: N: 750905

आनन्द वासनी (गीतानी ११५)
दलान्न दुपाये।

उरभा॥ धरुदुलारिहृदुवस्रिके रुमते परः॥ कव्वेवदुदुलं हृदुव
ॐ पञ्च उरदुलभा॥ वस्रिकं डपरिहृदुविमपूतिनवृत्त॥ धरुदुल
मपञ्जुपविभुज्जगतेहमि॥ हृदुवमृतेवदं मस्रिहृदुवगैमयः॥
धमि॥ वडिं मयतीहृदुः॥ भकगमिपमं रुते हृदुमैवं मरं हृदुम
नैजुममैव सुयवेमवमदिमभिहृमि॥ धमि॥ हृदुममृदिममरुया
नलिपिउः॥ पउरुपमं हृदुववृमवमरुति॥ धमि॥ हृदुममृदिममरुति
यविठगउउहमि॥ धमि॥ हृदुममृदिममरुति॥ धमि॥ हृदुममृदिममरुति
दालिपरीवभा ॥ ॐ हृदुववस्रिके गीतानी कयं॥ हृदुममृदिममरुति॥

